BRDE-101

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी.)

पाठ्यक्रम कोड : बी.आर.डी.ई.-101

पाठ्यक्रम का शीर्षक : भारत में ग्राम विकास

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

सतत् शिक्षा विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
ऐच्छिक पाठ्यक्रम – भारत में ग्राम विकास
सत्रीय कार्य – 2017-18

पाठ्यक्रम कोड–बी.आर.डी.ई.-101

सत्रीय कार्य कोड : बी.आर.डी.ई.-101/ए.एस.टी./2017-18

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.) के ऐच्छिक पाठ्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, कि अब आपको ग्राम विकास में ऐच्छिक पाठ्यक्रम (बी.आर.डी.ई.– 101) के लिए केवल एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) जमा कराना है।

निर्देश : सत्रीय कार्य शुरू करने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

1) सत्रीय कार्य शुरू करने के लिए स्नातक उपाधि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।

2) सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों को पढ़िए।

3) अपने उत्तर के लिए केवल फुलस्केप आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और सभी पृष्ठ ध्यानपूर्वक बांध लें।

4) प्रत्येक उत्तर के आरम्भ में प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

5) अपना उत्तर निर्धारित शब्दों में दें।

6) अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) की उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ का ऊपरी हिस्सा निम्नलिखित प्रकार से दिखाई देना चाहिए।

नामांकन संख्या ..... पाठ्यक्रम शीर्षक .....

पाठ्यक्रम कोड़ : बी.आर.डी.ई.-101 सत्रीय कार्य कोड .....

नाम और पता ..... अध्ययन केंद्र का नाम .....
(स्पष्ट शब्दों में)

..... हस्ताक्षर :

..... तारीख :

आपके सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास दिनांक **31.03.2018 (जुलाई 2017 सत्र)** तथा **31.9.2018 (जनवरी 2018 सत्र)** तक जमा हो जाने चाहिए।

सत्रीय कार्य – बी.आर.डी.ई.-101

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

अधिकतम अंक :100

नोट : i) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

ii) प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

iii) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए।

1) भारतीय ग्रामीण समाज की प्रमुख विशेषताओं तथा प्रमुख प्रकार को जाति और वर्ग के संबंध में वर्णित कीजिए।

2) मानव प्रव्रजन की अवधारणा, दिशा तथा कारकों तथा ग्रामीण और शहरी समाज पर इसके प्रभाव की चर्चा कीजिए।

3) स्थायी विकास की परिभाषा दीजिए। भारत में स्थायी विकास के लिए प्रमुख कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए।

4) सामुदायिक विकास कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

5) सूक्ष्म-वित्त और स्व-सहायता समूह की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

6) भारत में ग्राम विकास के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशासनिक व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए।

7) युवाओं की विकास गतिविधियों में शामिल प्रमुख गैर सरकारी संगठनों का वर्णन कीजिए।

8) ग्रामीण शिक्षा की वर्तमान स्थिति तथा इसके लिए विभिन्न प्रयासों को स्पष्ट कीजिए।